

कामकेलि स्त्री. (तत्.) रतिक्रीड़ा।

कामक्रिया स्त्री. (तत्.) रति क्रीड़ा।

कामक्रीड़ा स्त्री. (तत्.) संभोग, रति।

कामगार पुं. (फा.) दे. कामदार, मजदूरी करके रोजी कमानेवाला व्यक्ति।

कामगिरि पुं. (तत्.) चित्रकूट, कामदगिरि।

कामघर पुं. (तत्.) अपनी इच्छानुसार सब जगह जाने वाला, स्वेच्छापूर्वक विचरनेवाला।

कामचलाऊ वि. (देश.) 1. जिससे किसी प्रकार काम चल सके 2. जिससे आवश्यकता की पूर्ति की जाए 3. पूरी तरह काम न दे सकने पर भी थोड़े समय के लिए कारगर हो।

कामचोर वि. (देश.) काम से जी चुरानेवाला, अकर्मण्य, आलसी, जाँगरचोर।

कामजित वि. (तत्.) काम को जीतनेवाला।

कामता पुं. (तद्.) चित्रकूट, चित्रकूट के पास एक गाँव।

कामदगिरि पुं. (तत्.) चित्रकूट का एक पर्वत जो कामनाओं की पूर्ति करनेवाला माना जाता है।

कामदहन पुं. (तत्.) कामदेव को जलानेवाले, शिव।

कामदानी स्त्री. (फा.) 1. बेलबूटा जो चाँदी के तार या सलमे सितारे से बनाया जाए 2. वह कपड़ा जिस पर सलमे-सितारे के बेलबूटे बने हों।

कामदार पुं. (फा.) कर्मचारी, कारिंदा, कामगार।

कामदार वि. (फा.) जिस पर कलाबत्तू, जरदोजी आदि के बेलबूटे बने हों जैसे- कामदार टोपी।

कामदेव पुं. (तत्.) 1. स्त्री-पुरुष के संयोग की प्रेरणा देनेवाला एक पौराणिक देवता, जिसकी स्त्री रति, साथी वसंत, वाहन कोकिल, अस्त्र फूलों का धनुष और वाण है, उसकी ध्वजा पर मीन का चिह्न है।

कामधाम पुं. (तद्.) कामकाज, धंधा, कामकाज और रहने का स्थान।

कामधेनु स्त्री. (तत्.) 1. एक गाय जो पुराणानुसार समुद्र के मथने से निकली थी, स्वर्ग की गाय जो सब कामनाओं की पूर्ति करनेवाली मानी जाती है 2. वशिष्ठ की शवला या नंदिनी नाम की गाय, जिसके लिए विश्वामित्र के साथ उनका युद्ध हुआ था 3. दान के लिए सोने की बनाई गई गाय।

कामध्वज पुं. (तत्.) वह जो कामदेव की ध्वज पर हो, मछली, कामदेव की ध्वजा।

कामनवेल्थ पुं. (अं.) राष्ट्रमंडल, राष्ट्रकुल।

कामना स्त्री. (तत्.) 1. इच्छा, मनोरथ 2. वासना।

कामपरता स्त्री. (तत्.) विषय भोग, और इच्छाओं के वशीभूत रहने की स्थिति, कामुकता।

कामबाण पुं. (तत्.) कामदेव के बाण, जो पाँच हैं- मोहन, उन्माद, संतापन, शोषण और निश्चेष्टीकरण।

काममोहित वि. (तत्.) कामातुर, काम के वशीभूत।

कामयाब वि. (फा.) 1. जिसका प्रयोजन सिद्ध हो गया हो, सफल 2. (परीक्षा में) उत्तीर्ण।

कामयाबी स्त्री. (फा.) सफलता, कृतकार्यता।

कामरत पुं. (तत्.) कामलिप्त, वासनालिप्त।

कामरिपु पुं. (तत्.) शिव का एक नाम।

कामरूप पुं. (तत्.) 1. आसाम का एक जिला जहाँ कामाख्या देवी का क्षेत्र है, इसका प्रधान नगर गुवाहाटी है 2. एक अस्त्र जिससे प्राचीन काल में शत्रु के फेंके हुए अस्त्र व्यर्थ किए जाते थे 3. बरगद की जाति का एक बड़ा सदाबहार वृक्ष 4. 26 मात्राओं का एक छंद, जिसमें 9,7 और 10 के अंतर पर विराम होता है, अंत में गुरु लघु होते हैं 5. यथेच्छ रूप धारण करने वाला।

कामरूपत्व पुं. (तत्.) जैन मत के अनुसार एक प्रकार की सिद्धि जो कर्मादि से निरपेक्ष होने पर प्राप्त होती है, इससे यथेच्छ रूप धारण करने की शक्ति मिल जाती है।